दिनांक 21.11.2023 को जनता कॉलेज द्वारा RAWE कार्यक्रम के तहत गांव बिजौली में खेती-बाड़ी के आधुनिक तरीकों पर एकदिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

<table>
<tr><td>
</td><td>
</td></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
<tr><td> </td><td>
</td></tr>
<tr><td></td><td></td></tr>
</table>

परंपरागत तरीके छोड़ किसान वैज्ञानिक विधि से करें खेती

बिजौली में जनता कॉलेज बकेवर के प्रोफसरों ने किसानों को दी सलाह

संवाद न्यूज एजेंसी

कृषक गोष्ठी में शामिल किसान। संवाद

बकेवर। क्षेत्र के ग्राम बिजौली जनता कालेज बकेवर में कृषि विभाग ने किसान गोष्ठी के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने व पशुपालन करने की जानकारी दी गई।

गोष्ठी के संयोजक डॉ. एमपी सिंह ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। इसलिए किसानों को परंपरागत खेती-बाड़ी के तरीके के स्थान पर वैज्ञानिक विधि को अपनाना चाहिए।

इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। कहा कि जिन खेतों में खरपतवार अधिक होते हैं। जैसे रबी में बट्टा अधिक होने पर गेहूं के स्थान पर सरसों, आलू, बरसीम या दलहनी फसलों को उगाकर खरपतवार को कम किया जा सकता है।

किसानों को फसलों की कम अवधि में अधिक उपज देने वाली प्रजाति उगानी चाहिए। गेहूं में एचडी 2967, एचडी 2632, डीबीडब्ल्यू 187, डीबीडब्ल्यू 222, देर से बुआई करने पर पीबीडब्ल्यू 373, गोल्डन हलना, मालवीय 234 प्रजाति की बुआई करनी चाहिए। गेहूं में पहली सिंचाई बुआई के 21 से 25 दिन बाद और शेष सिंचाई 20 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए।

सलाह दी कि गेहूं में कंडवा रोग के प्रबंधन के लिए बीज को विटावेक्स या कार्बिंडाजिम दो से तीन ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करके बुआई करनी चाहिए। कहा कि परंपरागत खेती के स्थान पर बागवानी में फलदार वृक्षों के मध्य सब्जी वाली फसल , बगीचों के मध्य मेडिसिनल फसलें जैसे हल्दी ,अदरक की पैदावार की जा सकती है।

संयोजक डॉ. पीके राजपूत ने बताया कि वाटर रिचार्जिंग के लिए गांव का पानी ताल में ताल का पानी पाताल में सिस्टम को अपना कर जल संरक्षण किया जा सकता है। पशुपालन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कुमार ने कहा कि किसानों को अच्छी नस्ल और अधिक दुग्ध उत्पादन की गाय-भैंस पालनी चाहिए।

पादप रोग विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने फसल सुरक्षा उपाय पर प्रकाश डाला। बामसा एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शशांक भारद्वाज ने जैव उर्वरकों व जैव उत्पादों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम प्रधान तिलक सिंह राजपूत ने आभार जताया।

आधुनिक तरीके अपनाकर किसान करें खेतीबाड़ी

परावे कार्यक्रम के तहत जनता कालेज द्वारा बिजौली में किसान गोष्ठी का किया गया आयोजन

संवादसूत्र, बकेवर : जनता कालेज द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत बिजौली में किसान गोष्ठी में किसानों को आधुनिक तरीकों को अपनाकर खेतीबाड़ी करके अधिक उत्पादन होने की जानकारी दी गई। संयोजक डा. एमपी सिंह ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है इसलिए किसानों को परंपरागत खेती-बाड़ी के स्थान पर आधुनिक तरीकों को अपनाकर समय से कृषि कार्य कर खेती-बाड़ी करनी चाहिए। जिससे उत्पादन अधिक होगा और किसान की आय बढ़ेगी। जिन खेतों में खरपतवार अधिक होते हैं नियंत्रित करने के लिए गेहूं के स्थान पर तोरिया, सरसों, आलू, बरसीम आदि चारे वाली या दलहनी फसलों को उगाकर खरपतवार को नियंत्रित किया जा सकता है।

उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. एमपी यादव ने कहा कि परंपरागत खेती के स्थान पर किसान बागवानी में फलदार वृक्षों के मध्य सब्जी वाली फसल उगाकर अधिक उत्पादन व आय प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही बाग बगीचों के मध्य मेडिसिनल फसलें जैसे हल्दी, अदरक आदि उगा सकते हैं। रावे संयोजक डा. पीके राजपूत ने बताया कि वाटर रिचार्जिंग के लिए गांव का पानी ताल में ताल का पानी पाताल में सिस्टम को अपना कर जल संरक्षण किया जा सकता है। ग्राम प्रधान को सलाह दी कि अपने गांव का तालाब अधिक गहरा कराएं जिससे गांव का पानी उसमें संरक्षित रहे और गांव का जल स्तर सदैव बना रहे।

पशुपालन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आदित्य कुमार ने कहा कि किसानों को सर्वप्रथम अच्छी नस्ल की अधिक उत्पादन यानी दूध देने वाली गाय, भैंस का पालन करना चाहिए, जिससे आय अधिक होगी। प्रत्येक पशु के लिए कितना संतुलित आहार की आवश्यकता है इस पर विस्तृत जानकारी दी गई। पादप रोग विज्ञान के विभागाध्यक्ष डा. मनोज यादव ने फसल सुरक्षा उपाय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गर्मियों में खेतों की गहरी जोताई करके कीट बीमारियों से फसलों को बचाया जा सकता है। प्रधान तिलक सिंह राजपूत समेत क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।